

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - १

रविवार, ७ मार्च, २०१०

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

☞ परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	
----------------------------------	-------------	--

प्रवेश-१

विभाग - १ : नीलकंठ चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. "बैलगाड़ी की कोई आवश्यकता नहीं है । एक बड़ी सी चद्दर ले आओ ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

२. "चिंता मत कीजिए । मैं आपकी सेवा करूँगा ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

३. "मेरा नैष्ठिक ब्रह्मचर्य अखंडित रहे ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. जयरामदास जगन्नाथपुरी जाने तैयार हो गया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. नरसिंह मेहता ने कल्याणजी को नीलकंठवर्णी के पीछे जाने का आदेश दिया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. कृष्ण तंबोली झील में से क्या तोड़कर नीलकंठवर्णी को खिला रहा था ?

गुण : १	
---------	--

२. नीलकंठवर्णी ने शालिग्राम पर चढ़ाया हुआ जल कहाँ गया ?

गुण : १	
---------	--

३. रामानंद स्वामी ने नीलकंठवर्णी को कब भागवती दीक्षा दी ?

गुण : १	
---------	--

४. नीलकंठवर्णी के दायें पैर में कौन से चिह्न थे ?

गुण : १	
---------	--

५. रता बशिया राक्षस हुआ उसके पहले कौन था ?

गुण : १	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. राजा रणजितसिंह को हुए नीलकंठवर्णी के दर्शन ।

गुण : २	
---------	--

(१) अभी आप मुझ से दूर हों ।

(२) मेरी स्मृति करते हुए राज्य करना ।

(३) मेरा ज्ञान तुम्हारे अंतर में स्थिर होगा, तो राज्य तुम्हें बंधन नहीं करेगा ।

(४) आपने मेरी बहुत सेवा की है ।

२. नीलकंठवर्णी ने वंशीपुर की रानी के मन के द्वार खोले ।

गुण : २	
---------	--

(१) भय तो जंगली पशुओं का होना चाहिए ।

(२) मैं तो वासना के मोहजाल में से मुमुक्षुओं को मुक्त करने आया हूँ ।

(३) आपको सुखी कर के मैं अपना अक्षरधाम दूँगा ।

(४) आपके राज्य या आपकी कन्याओं के बन्धनों में फँसने के लिए मैं नहीं आया हूँ ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

१. सूरत में नीलकंठवर्णी दिन तक उपवासी रहे ।

गुण : १

२. नीलकंठवर्णी ने के उत्सव पर दो स्वरूप में दर्शन दिए ।

गुण : १

३. तोताद्रि में की व्यासपीठ है ।

गुण : १

४. रामानंद स्वामी की तरह पहले आये थे ।

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - १

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “आपने कृष्णावतार में जो लीला की थी, वह देखने की इच्छा है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. “आप अपना शरीर घटाइए, उपवास कीजिए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. “दया कीजिए और मुझे इस महापाप से छुड़ाइए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

१. जेठाभाई के ज्ञानचक्षु खुल गए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	प्र-१०	प्र-११
----------------------------------	-------------	--------	--------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. रायजी ने जोबन को ललकारते हुए क्या कहा ?

गुण : १

२. आशाभाई के घर में आग लगी तब कौन कौन सी फसल भस्म हो गई ?

गुण : १

३. निर्गुण स्वामी ने अपने अन्तिम समय में शास्त्रीजी महाराज को क्या निवेदन किया ?

गुण : १

४. महाराज के अक्षरधामगमन के बाद जोबनपगी किस तरह शान्ति प्राप्त करता था ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय और सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : तुम्हारे सारे दुःख मेरी गद्दी के नीचे दबे हैं ।

१. खेत में काम करते सर्पदंश होने से देसाई धाम में गए । २. आशाभाई ने स्वामीश्री की आज्ञा को शिरोमान्य कर दी । ३. छोटे पुत्र देसाई वयस्क होने के बावजूद शास्त्रीजी महाराज ने शादी की मना की । ४. वात्सल्यपूर्ण शब्दों से मानसिक शान्ति मिल रही हो ऐसा चमत्कारिक अनुभव हुआ । ५. सोलह दिनों बाद जाग्रत अवस्था में सोये हुए आशाभाई को देसाई ने 'नारायण' बोला । ६. तुम्हारे सारे दुःख मेरी गद्दी के नीचे दबे हैं । ७. देसाई के साथ श्रीजीमहाराज के हुए दर्शन । ८. तुम यदि हमें महान व्यक्ति मानते हो तो मेरा कहा मानकर वहाँ जाने की जिद छोड़ दो । ९. आर्थिक आवश्यकता के कारण छोटा उदेपुर जाने का आशाभाई ने संकल्प किया । १०. श्रीजीमहाराज ने शास्त्रीजी महाराज की महिमा की बातें कहीं, इसलिए अंतर की अशान्ति चली गई । ११. यह तो समझो ठाकोरजी के ही कार्य में विघ्न आ गया । १२. इस प्रसंग से वे स्वामीश्री के विशेष निकट आये ।

केवल सही क्रमांक

गुण : ३

यथार्थ घटनाक्रम

गुण : ३

सूचना : सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **सद्गुरु देवानन्द स्वामी** :- देवदास का जन्म बरवाला के पास पहेलारपुर गाँव में संवत् १७५९ की माघ अमावास्या के दिन रामभक्त शंभुदानजी और लालुबा के घर हुआ था ।

उ.
.....
.....

गुण : १

२. **भक्तराज दरबार श्री झीणाभाई** :- स्वामी के दर्शन के लिए झीणाभाई आधा समय से ज्यादा जूनागढ़ में और आधा समय से कम मांगरोल में रहते थे ।

उ.
.....
.....

गुण : १

३. **सद्गुरु ब्रह्मानन्द स्वामी** :- सौराष्ट्र के मांगरोल गाँव के मुनिबाबा ने स्वामी के साथ विचरण करने की अपनी इच्छा व्यक्त की ।

उ.
.....
.....

गुण : १

४. **सद्गुरु शुकानन्द स्वामी** :- स्वामीश्री के अन्तर्धान होने के बाद खानदेश में घूमते शुकमुनि ने शरीर जीर्ण हो इसलिए स्वामीश्री को मिन्नतें कर के क्षय रोग माँगा ।

उ.
.....
.....

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

- गुणातीत के संग गुणातीत ।
- संस्कृति का तेजोमय तीर्थ - मन्दिर ।
- आदर्श गुरु प्रमुखस्वामी महाराज ।

()
.....
.....
.....
.....
.....
.....

